यूरोप के शहर पोलैंड में आईईईई (IEEE) की अंतरराष्ट्रीय बैठक: शहर के युवा प्रोफेसर कमल कांत हिरन को आया बुलावा

चित्तोड़गढ़ के गाँधीनगर निवासी व मूलतः भीलवाड़ा जिले के झडोल, गंगापुर के कमल कांत हिरन को आईईईई की अंतरराष्ट्रीय मीटिंग के लिए चुना गया है! यह अंतरराष्ट्रीय मीटिंग पोलैंड के वारसा मैरियट होटल में 20-22 मार्च 2020 (तीन दिन) होगी. जिसमे दुनिया के कई देशो के दिग्गज लोग शामिल होंगे. इस मीटिंग में आईईईई के विभिन वर्क एंड एक्टिविटीज के बारे में डिस्कशन और पैनल चर्चा किया जायेगा. हिरन पोलैंड की उड़ान के लिए 19 मार्च को उदयपुर एयरपोर्ट से रवाना होंगे. कमल कांत ने उच्च माध्यमिक की पढ़ाई सरकारी स्कूल शहीद मेजर नटवर सिंह शक्तावत से वर्ष १९९९ में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी!

आईईईई का प्रमुख उद्देष्य मानवता के लाभ के लिए तकनीकी नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना। आईईईई प्रौद्योगिकी की प्रगति के लिए अग्रणी गैर लाभकारी संस्था है! आईईईई, का उच्चारण "आई-ट्रिपल-ई" इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्टीट्यूट है, जिसका स्थापना 1 जनवरी, 1963 को संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यू जर्सी मैं हुई थी. 160 से अधिक देशों मे 400,000 से अधिक सदस्यों के साथ, आईईईई दुनिया का सबसे बड़ा तकनीकी पेशेवर संस्था है।

रिसर्च की दुनिया में कुछ नया करने की चाह रखने वाले इस युवा प्रोफेसर ने हाल ही में कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, सर पदमपत सिंघानिया यूनिवर्सिटी, जे. के. सीमेंट ग्रुप, उदयपुर में ज्वाइन किया है. उनका कहना है कि रिसर्च को और ब्रॉड बनाया जाये मीन्स उसकी महत्ता को समझा जाये और साइंटिफिक कोलैबोरेशन बढ़ाये जाये. हिरन और उनकी पत्नी डॉ. रूचि शोध के बारे में बताते है कि रिसर्च के फील्ड में नया करने का बहुत कुछ है. इससे पहले उन्होंने और डॉ. रूचि ने 7 साल भारत से बाहर काम कर रिसर्च के वर्क को सीखा है!

<u>पेटेंट प्रकाशित:</u> हिरन ने, हाल ही में दो पेटेंट प्रकाशित किये है: [1]. सर्विस ओरिएंटेड आर्किटेक्चर बेस्ड एनर्जी एफिशिएंट डिजाइन फॉर क्लाउड ऑफ थिंग्स एनवायरनमेंट [2]. संयुक्त वर्ग और परिपत्र कोर का उपयोग करके मल्टीकोर फाइबर जो की पेटेंट जनरल ऑफ पेटेंट्स, बौद्धिक संपदा कार्यालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित किया गया! इसे कमल ने अपनी रिसर्च टीम के साथ मिलकर तैयार किया है. जिसमे उसकी पत्नी डॉ. रूचि की अहम भूमिका रही है.

<u>अंतरराष्ट्रीय बुक्स:</u> अभी हाल ही में 2 बुक्स भी प्रकाशित हुई है - इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी), बीपीबी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित और मशीन एंड डीप लर्निंग इन रियल टाइम ऍप्लिकेशन्स आईजीआई ग्लोबल, यूएसए, द्वारा प्रकाशित. हिरन अपनी टीम के साथ लास्ट ईयर से इन बुक्स पे काम कर रहे थे. उनका लैटेस्ट टेक्नोलॉजीज में रुझान है क्युकी इनकी हेल्प से ह्यूमन सोसाइटी में बदलाव लाया जा सकता है. कमल अपनी रिसर्च को अपडेट करने के लिए साइंटिफिक ऐकडेमिक कोलैबोरेशन कई नामी ओर्गनइजेशंस जैसे आईईईई, स्प्रिंगर, एल्सेवियर, आईजीआई ग्लोबल में अपने पेपर्स पब्लिश करते रहते है.
पिछले साल हिरन और डॉ रूचि ने क्लाउड कम्प्यूटिंग पे एक बुक लिखी थी उसकी सारी रॉयल्टी की राशि उन्होंने MLV टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग कॉलेज की Thriving Engineers' Alumni में उनके पिता स्व. श्री शम्भू सिंह हिरन के नाम से डोनेट की थी. वह किताब दुनिया भर में विश्वविद्यालय और कॉलेज में काफी लोकप्रिय हुई है।

इससे पहले भी इस युवा प्रोफ॰ व डॉ॰ रूचि को वर्ष 2017 में जर्मनी के पैसो विश्वविद्यालय से दुनिया के 12 सेलेक्टेड लोगो में कांफ्रेंस के लिए चुना गया था॰ जिसका संचालन आईटीस, जर्मनी की आर्गेनाइजेशन ने किया था!

आईईईई अवार्ड्स: आईईईई ने उनके सिग्नीफिकेन्स वर्क के लिए उन्हें कई अवार्ड्स से नवाज़ा गया है उनमे से प्रमुख है - आईईईई लाइबेरिया पश्चिमी अफ्रीका की फाउंडेशन चेयर के रूप में, आईईईई घाना अनुभाग की कोर समिति - तकनीकी और व्यावसायिक गतिविधि, चेयर, स्टुडेंट ब्रांच चैप्टर. हिरन ने इस दौरान अफ्रीका के कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों ने कई गतिविधियाँ कराईं जैसे - आईईईई दिवस, आईईईई कांफ्रेंस, आईईईई प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता, आईईईई मोबाइल एप्लिकेशन विकास प्रतियोगिता आदि। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आईईईई इस मुकाम पर बहुत कम लोग है इस दुनिया में।

कमल का मानना है की रिसर्च के इस डिजिटल युग में बदलाव और नई टेक्नोलॉजीज के कारण हमेशा अपडेट रहना होता है। उसी के तहत उन्होंने अभी हाल ही में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू), वाराणसी और यूनिवर्सिटी ऑफ़ नेब्रास्का ओमाहा, यूएसए के प्रोफेसर के साथ रिसर्च में कलोबोरशंस किया है! कोरोना वायरस (कोविद-19) महामारी पे भी उनकी टीम एक रिसर्च पेपर बना रही है की कैसे प्रिवेंशन एंड डिटेक्शन किया जाए॰

<u>शोधकर्ताओं के लिए संदेश</u> - रिसर्च एक कला है. कड़ी मेहनत, सीखने की दक्षता और समर्पण से अनुसंधान के क्षेत्र में कुछ नया किया जा सकता है. कमल कहते है रिसर्च मीन्स रि+सर्च करो तो नया इन्नोवेशंस होगा। अपनी सोसाइटी की प्रोब्लेम्स को लौ कॉस्ट में सोलूशन्स प्रोवाइड करना रिसर्च का मैन आईडिया है।

बड़ी सफलताये प्राप्त करने के लिए बड़े त्याग व समर्पण की आवश्यकता होती है. सफलता की राह में बलिदान हमेशा आते है!

Invitation Letter:

Porto, December 26, 2019

Subject: Information to support KAMAL KANT HIRAN's visa application.

Dear Sir/Madam,

KAMAL KANT HIRAN is a volunteer of IEEE, the world's largest technical professional organization for the advancement of technology, in the function of SECTION REPRESENTATIVE (OTHER THAN CHAIR).

We confirm inviting KAMAL KANT HIRAN to attend the 114th IEEE Region 8 Meeting. The meeting will be held on March 20-22, 2020 at the Warsaw Marriot Hotel, in Warsaw, Poland, as announced on https://ieeer8.org/category/committee/meetings/2020-march-warsaw/.

We confirm that IEEE Region 8 will cover the flights (to Warsaw, Poland and return), local travel, hotel (from March 20-22 2020) and any meals (from March 20-22 2020) during this trip.

The hotel room reservation is part of the Master Contract for all our guests:
Hotel Name: Warsaw Marriot Hotel
Hotel Address: Warsaw Marriott Hotel, Al. Jerozolimskie 65/79, 00-697 Warszawa
Hotel Contact: Katarzyna Krasuska, P: +48 226307113 | M: +48 691399699

We would greatly appreciate you lending your assistance to KAMAL KANT HIRAN residing in INDIA with passport number: **S2384271** issued by INDIA and companion RUCHI DOSHI residing in INDIA with passport number: **N8409989** issued by INDIA in all matters relating to visa requests, to attend this meeting.

If you have any further questions or concerns that I can address, please feel free to contact me by email at amd@ieee-pt.org.

Thank you.

Yours Sincerely,

Ana Maria Madureira
IEEE Region 8 Secretary
School of Engineering of the Polytechnic Institute of Porto (ISEP/IPP)
+351 965847723
amd@ieee-pt.org